शुक्रवार
12 सितम्बर 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 218
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

ब्यूटीशियन की हत्या

●लिव इन पार्टनर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ब्यूटी पार्लर संचालिका की हत्या मामले में पुलिस ने एसीएमओ के ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। आरोपी ब्यूटीशियन के साथ पिछले लम्बे समय से लिव-इन में रह रहा था।

मामला हरिद्वार स्थित शिवलोक कालोनी का है। जानकारी के अनुसार बीती रात हरिद्वार में एसीएमओ के चालक मुकेश पुजारी ने अपनी महिला मित्र की हत्या कर दी, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान पिंकी चौधरी (35 वर्ष) के रूप में हुई है, जो शिवलोक कॉलोनी की रहने वाली थी और एक ब्यूटी पार्लर चलाती थी। गुरुवार देर रात हुई इस वारदात का पता सुबह 5 बजे चला जब पुलिस को महिला का शव बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जिला अस्पताल में तैनात चालक मुकेश पुजारी ने ही पिंकी की हत्या की है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आरोपी मुकेश को हिरासत में ले लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह मामला आपसी विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। बताया जा रहा है कि मुकेश पुजारी ने पिंकी के सर में रोड मारी है। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ आरवी सिंह ने पुष्टि की है कि मुकेश की नियुक्ति स्थाई है और घटना की जानकारी उन्हें मिली है। फिलहाल वो एसीएमओ का चालक था। आरोपी मुकेश पुजारी ने खुद ही पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। रानीपुर कोतवाली पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। वहीं जांच में सामने आया है कि मृतका पिंकी अपने पहले पति से अलग होकर बेटी के साथ रहती थीं। मुकेश, जो शादीशुदा और दो बच्चों का पिता है, कुछ वर्षों से पिंकी के साथ लिव-इन में रह रहा था।

बताया जा रहा है कि दोनों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। शक के चलते गुस्से में आकर मुकेश ने यह खौफनाक कदम उठाया। घटना के बाद आरोपी ने खुद पुलिस को घटना की सूचना दी।

लोगों को बेघर न किया जाएः प्रीतम

विशेष संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस न तो विकास विरोधी है न ही सरकार विरोधी। हम एलिवेटेड रोड का विरोध नहीं कर रहे हैं लेकिन इसके लिए गरीब लोगों को बेघर नहीं किया जाना चाहिए। रिस्पना और बिंदाल नदियों के किनारे रह रहे लोगों के लिए सरकार पहले आवास उपलब्ध कराये, जिसके बाद एलिवेटेड रोड का निर्माण करें।

कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में यह बात पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष व चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने कहीं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लंबे समय से मलिन बस्तियों के मुद्दे को लंबित रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार या तो इन मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों को मालिकाना अधिकार दे या फिर उनके पुनर्वास की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि कभी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें घर देने की बात कही जाती है या फिर अध्यादेश लाकर उनकी समस्या को यथावत बनाए रखा जाता है। लोगों को अनिश्चिता की स्थिति में नहीं रखा जाना चाहिए, सरकार को किसी को भी बेघर करने का अधिकार नहीं है। कांग्रेस का विरोध इस बात को लेकर है कि किसी को बेघर न किया जाए।

❑मलिन बस्तियों में रहने वालों को मिले मालिकाना हक, राष्ट्रीय आपदा नीति ठीक, डंपिंग जोन जरुरी

पत्रकार वार्ता में मौजूद रहे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि मानसूनी आपदा के कारण पूरे प्रदेश में तबाही का मंजर है लोग परेशान है सरकार को चाहिए कि वह राष्ट्रीय आपदा नीति बनाये और अगर संभव हो तो हिमालयी राज्यों के लिए अलग से आपदा नीति बनाये जिससे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि जो हमारे समय में डंपिंग नीति थी अब वह गायब हो चुकी है। पहाड़ पर होने वाले विकास कार्यों के लिए पहाड़ों का जो मलवा निकलता है उसे तोड़कर वहीं छोड़ दिया जाता है फिर नाले-खालों व नदियों में धकेल दिया जाता है जो आपदा का कारण बन रहा हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

पीएम आए, राहत लाए

लंबे इंतजार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल उत्तराखंड आए जरूर लेकिन मानसूनी आपदा से होने वाले नुकसान को अपनी आंखों से देखने के लिए वह जौलीग्रांट से आगे नहीं जा सके। प्रधानमंत्री ने जौली ग्रांट हवाई अड्डे पर आपदा राहत काम में जुटी टीमों के लोगों से हालात की जानकारी ली तथा आपदा प्रभावित कुछ लोगों से भी उनका हाल-चाल जाना, वहीं सत्ता पक्ष के नेताओं और अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रजेंटेशन भी देखा तथा 1200 करोड़ की सहायता राशि की घोषणा की गई। उन्होंने आपदा में जान गवाने वाले लोगों के आश्रितों को दो-दो लाख तथा घायलों को 50-50 हजार व अनाथ हुए बच्चों की देखभाल के लिए अलग से सहायता देने को भी कहा है। अच्छा तो यही होता कि पीएम आपदा ग्रस्त क्षेत्रों में जाकर खुद तबाही के उस मंजर को देख पाते जो लोगों की आपबीती है। लेकिन खराब मौसम के कारण वह हवाई सर्वे पर नहीं जा सके। सच बात यह है कि अगस्त के पहले ही सप्ताह से राज्य में हो रही मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं के कारण भारी तबाही हुई है। अकेले उत्तरकाशी जिले में 100 से अधिक लोगों की जाने जा चुकी है। राज्य के अन्य स्थानों पर भले ही इस आपदा काल में हुए जान माल का कोई सही आकलन न किया जा सके लेकिन धराली की आपदा के समय कितने लोग मलवे में दबकर मर गए। उनका कोई सही आंकड़ा अभी भी सामने नहीं आ सका है। क्योंकि मलबे में दबे लोगों को तलाशना भी संभव नहीं हो पा रहा है। इस आपदा काल में सड़कों और कृषि भूमि को कितना नुकसान हुआ है, के अलावा लोगों के घर, मकान होटल, रेस्टोरेंट और दुकानों को हुए भारी नुकसान के कारण उनके सामने रोजी-रोटी का संकट मुंह बाए खड़ा है। खास बात यह है कि पूरे राज्य में हालात लगभग एक जैसे ही हैं। उससे भी चिंताजनक बात यह है कि अभी भी बर्बादी का यह मंजर थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब प्रधानमंत्री देहरादून में थे उसी समय नैनीताल से भवाली सड़क का लगभग आधा किलोमीटर का हिस्सा पहाड़ के साथ गहरी खाई में समा गया। इस मार्ग को सुचारु करने में महीनों का समय लग सकता है। गंगोत्री हाईवे और यमुनोत्री हाईवे लंबे समय से बंद होने के कारण चार धाम यात्रा पूर्णतया बंद है। राज्य की सड़कों पर आवागमन या तो पूरी तरह ठप हो चुका है या फिर इतना असुरक्षित हो गया है कि लोग जान हथेली पर रखकर आवाजाही कर पा रहे हैं। पीएम ने पंजाब के लिए 1600 करोड़ और हिमाचल के लिए 1500 करोड़ और अब उत्तराखंड के लिए जो 1200 करोड़ की मदद देने की बात कही है उससे पीड़ितों को कितनी राहत मिल सकेगी इस पर कुछ भी कहना बेकार है। केंद्रीय टीम ने सर्वे किया है उस पर केंद्र कितनी सहायता देगा पता नहीं उत्तराखण्ड सरकार की 5702 करोड़ की मांग थी। पीड़ितों व प्रभावितों की विस्थापन की मांग का क्या होगा, 350 गांव पहले ही विस्थापन की सूची में है। इस आपदा के जख्म कैसे भर पाएंगे यह सवाल सभी को परेशान कर रहा है।

डॉ. शर्मा व डॉ. बहुगुणा ने अवार्ड व सम्मान पाकर बढ़ाया प्रदेश का मान

संवाददाता

देहरादून। वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक डॉ. पवन शर्मा व नेत्र चिकित्सक डॉ. चिराग बहुगुणा ने अर्वाड व सम्मान पाकर उत्तराखण्ड का मान बढाया है।

आज यहां उत्तराखंड के जाने माने समाजसेवी वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक डॉ. पवन शर्मा (द साइकेडेलिक) को मानसिक स्वास्थ्य की जागरूकता और बचाव के क्षेत्र में रचनात्मकता व असाधारण योगदान देने के लिए 'भारत रत्न आइकॉनिक अवार्ड 2025' और समाज सेवा के क्षेत्र में प्रभावी व अनुकरणीय योगदान देने के लिए 'भारत गौरव सम्मान 2025' से नवाजा गया। वहीं नेत्र चिकित्सक डॉ. चिराग बहुगुणा को भी नेत्र रोग से बचाव और निदान के लिए बेहतरीन कार्य करने के लिए 'भारत रत्न आइकॉनिक अवार्ड 2025' प्रदान किया गया। ये अवार्ड और सम्मान डॉ. पवन शर्मा और डॉ. चिराग बहुगुणा को नई दिल्ली में जीवन जागृति सेवा संस्थान द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर से कई समाजसेवी और पेशेवर शामिल हुए, जिनमें से डॉ पवन शर्मा ने अवार्ड और सम्मान दोनों श्रेणियों मे सफ़लता हासिल करके और डॉ. चिराग बहुगुणा ने अवार्ड हासिल करके उत्तराखंड का मान बढ़ाया है जो कि कई लोगों को प्रेरित करेगा। डॉ पवन शर्मा ने इस दोहरी उपलब्धि के लिए अपनी टीम के सहयोग और हौसला बढ़ाने के लिए उत्तराखंड के सभी लोगों का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे आगे भी अपनी सामाजिक संस्था फोरगिवनेस फाउंडेशन सोसाइटी के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सेवायें और सुविधाएं निशुल्क प्रदान करके लोगों को निरोगी और स्वस्थ रखने के लिए कार्य करते रहेंगे।

उप जिलाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में स्वास्थ्य केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता

हरिद्वार। उपजिलाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों के स्वास्थ्य केन्दों का औचक निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिये।

जनपद में संचालित हो रहे जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीजों को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो, इसके लिए मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश दिए गए है कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर होए इसमें किसी भी प्रकार की कोई कमी न हो इसके लिए समय समय पर उच्चाधिकारियों को स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओ का जायजा लेने एवं निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए है।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में देर रात्रि सभी उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों ने अपने अपने क्षेत्रों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण कर उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओ का जायजा लिया। संयुक्त मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक आर ने अवगत कराया है कि उनके द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंगलौर का औचक निरीक्षण कर उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओ का जायजा लिया, उनके द्वारा मातृ एवं नवजात शिशु केन्द्र, आपातकालीन सेवाए फार्मा स्टॉक, प्रसव केंद्र एवं दवा वितरण केंद्र आदि का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया है कि दंत चिकित्सक द्वारा दो दिन पूर्व ही उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर किए गए पाया गया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों से निकलने वाले ठोस अवशिष्ट प्रबंधन के लिए सफाई कर्मचारियों को उचित प्रशिक्षण दिए जाने के लिए सुझाव दिया। निरीक्षण के दौरान सभी स्वास्थ्य सुविधाएं दुरस्त पाई गई। उप जिलाधिकारी हरिद्वार जितेंद्र कुमार ने अवगत कराया कि उनके द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादराबाद का निरीक्षण के दौरान मात्र एक नर्सिंग अधिकारी एवं एक सफाई कर्मचारी उपस्थित मिले बाकी स्टाफ एवं डॉक्टर अनुपस्थित पाए गए अस्पताल में एक एंबुलेंस है जो कि खराब अवस्था में है, चिकित्सालय में साफ सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई तथा चिकित्सालय में तीन मरीज भर्ती थे जो तीनों डिलीवरी के केस थे। उप जिलाधिकारी भगवानपुर देवेंद्र सिंह नेगी ने अवगत कराया कि उनके द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया गया तथा चिकित्सालय द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओ का जायजा लिया। उन्होंने चिकित्सालय में बेहतर साफ सफाई के निर्देश दिए तथा मरीजों एवं तामीरदारों को स्वच्छ पेयजल के उचित व्यवस्था कराने के भी निर्देश दिए। नगर मजिस्ट्रेट ने अवगत कराया है कि उनके द्वारा मेला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया तथा निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में उपस्थित डॉक्टरों व कार्मिकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए है कि चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाओ में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही एवं ढिलाई न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान सभी स्वास्थ्य सेवाएं दुरुस्त पाई गई। तहसीलदार लक्सर प्रताप सिंह

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

पितृ पक्ष में पौधारोपण व देखभाल की ली शपथ

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने पितृ पक्ष में पौधारोपण और उनकी देखभाल की शपथ लेते हुए कहा कि बिन्दाल पुल के पास लगी महाराणा प्रताप की प्रतिमा के पास गंदगी का अंबार लगा है जिसकी ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है।

आज यहां कैंट व मसूरी विधानसभाओं की सीमा पर चकराता रोड में बिंदाल पुल के किनारे लगी महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा के पास फैली गंदगी व आसपास उगी झाड़ियों को प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना व कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं ने साफ किया व तत्पश्चात पितृ पक्ष के अवसर पर मूर्ति के आसपास पार्क में पौधारोपण कर उनमें ट्री गार्ड लगाए व पौधों की देखभाल की शपथ ली।

इस अवसर पर धस्माना ने कहा कि जिस प्रकार से देहरादून की आबादी लगातार बढ़ रही है व इमारतों व घरों के निर्माण के लिए कृषि भूमि लगातार कम हो रही है व वृक्ष काटे जा रहे हैं उससे देहरादून की आबोहवा बिगड़ रही है व पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। लगातार प्रदूषण भी बढ़ रहा है इसलिए पर्यावरण की रक्षा के लिए अब आम नागरिकों, राजनैतिक व सामाजिक संगठनों को आगे आना होगा और खाली भूमि पर पौधारोपण करना होगा। धस्माना ने कहा कि आज देहरादून के मूल स्वरूप को नष्ट किया जा रहा है। नदियां नाले खाले सब पर अतिक्रमण कर निर्माण हो रहे हैं और इसीलिए शहर में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक हो चला है।

उन्होंने कहा कि देश के महान सुपूत महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण प्रदेश के मंत्री द्वारा किया गया था किंतु आज उस प्रतिमा का हाल बुरा है और उसके चारों ओर ना केवल घास उगी है बल्कि गंदगी का अंबार लगा है। धस्माना ने कहा कि यह बहुत शर्मनाक बात है कि इसी मूर्ति के साथ देहरादून में सबसे लंबी अवधि तक विधायक रहे स्वर्गीय हरबंस कपूर का स्मृति द्वार भी बना है व पचास गज की दूरी पर एक शहीद द्वार भी बना है और यह सब कैंट व मसूरी विधानसभाओं की सीमा पर महानगर क्षेत्र में है किन्तु इनकी दुर्दशा पर ना तो कैंट विधायक ना मसूरी विधायक और ना ही महापौर नगर निगम का ध्यान आकृष्ट हुआ है। धस्माना ने कहा कि वे आज ही इन तीनों महानुभावों को पत्र लिख कर इसकी दुर्दशा को दूर करने के लिए आग्रह करेंगे और ऐसा ना होने पर वे उस स्थान पर धरना आयोजित करेंगे।

पौधारोपण व सफाई अभियान कार्यक्रम के संयोजक प्रदेश श्रम प्रकोष्ठ अध्यक्ष दिनेश कौशल, उपाध्यक्ष चंद्रपाल, महानगर अध्यक्ष हरेंद्र बेदी, किशोर उनियाल, मनीष गर्ग, कृष्णा व अर्जुन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

बिना डायटिंग के कुछ लोग कैसे खुद को रखते हैं स्लिम

क्या आप जानते हैं कुछ लोग कैसे अपने डाइट पर नियंत्रण किये बिना खुद को स्लिम ट्रिम रखते हैं? शोधकर्ताओं ने इस रहस्य का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इन लोगों ने भोजन की मात्रा के बजाय गुणवत्ता पर ध्यान दिया और अधिकतर घर में पका भोजन की खाया। न्यूयॉर्क के कॉरनेल यूनिवर्सिटी की एक टीम ने 112 उन लोगों पर अध्ययन किया जो अपने खाने-पीने में किसी भी तरह का नियंत्रण किये बिना खुद को स्लिम बनाकर रखा और 35 लोगों के दूसरे ग्रुप पर अध्ययन किया जो अपने खाना-पान पर काफी ध्यान दिया जो कब क्या खाना चाहिए। कितनी कैलोरी लेनी चाहिए। अध्ययन में भाग लेने वालों से खाने की आदतों से जुड़ी 92 प्रश्न पुछे गए। अध्ययनकर्ताओं ने कहा, हम जानना चाहते थे ये कैसे अपने वजन कम रखते हैं और स्लिम बने रहते हैं। दोनों ग्रुप के उत्तर को तुलना करने के बाद अध्ययनकर्ता अश्चर्यचकित हो गए। उन्होंने पाया कि जो उच्च गुणवत्ता और घर में बना खाना खाते रहे वो किसी भी तरह का भोजन करने पर भी स्लिम बने हुए हैं। बिना डायटिंग स्लिम रहने वालों में से 61फीसदी चिकन और 35फीसदी अपने लंच में रोज स्लाद खाते थे। डिनर में 65फीसदी दाल और सब्जियां खाते थे। 33फीसदी अल्कोहल नहीं पीते थे। 7फीसदी शाकाहारी थे। ब्रेकफास्ट में 31फीसदी अंडा और 51फीसदी फल और सब्जी खाते थे। नास्ता में 44फीसदी फल और 21फीसदी बदाम खाते थे। 37फीसदी सोडा कभी नहीं पीते थे। 33फीसदी सॉफ्ट ड्रिंग पीते थे जबकि 25 फीसदी रेगुलर सोडा लेते थे। अध्ययन से पता चला कि बिना डायटिंग स्लिम रहने वालों की कुंजी एक्सरसाइज है। 42फीसदी एक सप्ताह में 5 से 7 बार एक्सरसाइज करते थे, 27फीसदी 3 से 4 बार एक्सरसाइज करते थे। 32फीसदी जीरो से दो बार वर्क आउट करते थे।

ग्लीसरीन रोज़वॉटर और नींबू का चमत्कारी प्रभाव

ग्लीसरीन, रोज़वॉटर और नींबू के इस अद्भुत मिश्रण के बारे में तो आपने खूब सुना होगा। ये मिश्रण त्वचा के पर चमत्कारी प्रभाव छोड़ते हैं और चेहरे की हर समस्या से निजात दिलाते हैं। कहते हैं कि रोज़वॉटर यानी गुलाबजल को रोजाना प्रयोग करना चाहिये क्योंकि इसमें प्रोटीन और अन्य तत्व मौजूद होते हैं जिससे त्वचा साफ बनती है और अंदर से निखार आता है। आज बोल्डस्काई ग्लीसरीन, रोज़वॉटर और नींबू के मिश्रण के फायदों के बारे में आपको जानकारी देने वाला है। इन प्राकृतिक मिश्रणों को मिला कर चेहरे पर लगाइये और नेचुरली खूबसूरत दिखिये। आइये जानते हैं इसका प्रयोग कैसे किया जा सकता है? फेस स्प्रे बनाएं इसे बनाने के लिये 2० द्रव्य रोज़वॉटर, 2 बूंद ग्लीसरीन और 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं और एयर टाइट शीशी में भर कर रख लें। जब भी आपकी त्वचा ड्राई लगे तब इससे चेहरे पर स्प्रे कर लें। आप इसे फाउंडेशन लगाने के बाद भी स्प्रे कर सकती हैं, जिससे चेहरे पर स्मूथ फिनिशिंग आ जाएगी। क्लींजर इसे बनाने के लिये 1 छोट चम्मच ग्लीसरीन, 1 चम्मच नींबू और 1 चम्मच रोज वॉटर मिक्स करें। इससे आप चेहरे को साफ करें लेकिन इसे लगाने के बाद चेहरे पर कोई भी रसायन युक्त प्रोडक्ट ना यूज़ करें। स्क्रब क्या आपकी स्किन ड्राई और पीली दिखती है? इस समस्या से छुटकारा पाने के लिये ग्लीसरीन, रोजवॉटर और नींबू का रस मिलाइये और उसके साथ थोड़ी सी दरदरी शक्कर भी मिक्स कर लीजिये। इस पेस्ट को हफ्ते में चेहरे पर लगा कर स्क्रब कीजिये। इससे डेड स्किन हट जाएगी और नई तथा बेदाग त्वचा सामने आएगी। स्क्रब क्या आपकी स्किन ड्राई और पीली दिखती है? इस समस्या से छुटकारा पाने के लिये ग्लीसरीन, रोजवॉटर और नींबू का रस मिलाइये और उसके साथ थोड़ी सी दरदरी शक्कर भी मिक्स कर लीजिये। इस पेस्ट को हफ्ते में चेहरे पर लगा कर स्क्रब कीजिये। इससे डेड स्किन हट जाएगी और नई तथा बेदाग त्वचा सामने आएगी। मास्क इस तीनों चीज़ों का मास्क बना कर चेहरे पर लगाने से चेहरे पर नमी आती है। मास्क हमेशा गाढ़ा होना चाहिये। इसको लगाने से चेहरे पर मुंहासे भी कम होने शुरु हो जाएंगे क्योंकि यह मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया का नाश करता है। मॉइस्चराइजर इस मिश्रण में सबसे महत्वपूर्ण चीज़ ग्लीसरीन होती है जो सर्दियों में चेहरे को नमी प्रदान करती है। आप इन तीनों चीज़ों का मिश्रण चेहरे पर लगाइये और उसके 1० मिनट बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लीजिये। इससे त्वचा स्वस्थ दिखने लगेगी और रूखापन भी गायब हो जाएगा।

गहरी निद्रा बढ़ाती है कार्यक्षमता

काक चेष्ठा वको ध्यानम, स्वान निद्रा वाली कहावत आप सभी ने सुनी होगी। लेकिन अब कुच्चे के आहट से नींद खुलने वाली बात हवा हो गई है क्योंकि भरपूर नींद वह भी गहरी निद्रा वाली आपके स्वास्थ्य और कार्यक्षमता के लिए आवश्यक है। नींद के महत्व को समझाने वाले संगठन स्लीप सॉल्यूशन स्टार्टअप वेकफिट ने हाल में श्स्लीप इंटर्नशिपश् शुरू किया है, जिसमें हिस्सा लेने वालों को 1०० दिनों तक नौ घंटे प्रति दिन सोने के लिए एक लाख रुपये दिए जाएंगे। कैंपेन से जुड़ी कंपनी स्प्रिंग मार्केटिंग के फाउंडर और क्रिएटिव पार्टनर अरुण अय्यर ने बताया, श्आश्चर्य की बात है कि हमने कभी सोने के महत्व पर ध्यान नहीं दिया। हमने अकसर सुना है कि कैसे कई मशहूर लोग केवल कुछ घंटों की नींद लेते हैं, ताकि जॉब पर अधिक ध्यान देकर ज्यादा आउटपुट दे सकें। मुझे नहीं लगता कि यह सही तरीका है। हमें लोगों को यह समझाने की जरूरत है कि नींद को अनदेखा कर हम खतरनाक बीमारियों को न्योता दे रहे हैं।

फिटनेस सॉल्यूशन कंपनी फिटबिट की रिसर्च के मुताबिक, भारतीय लोग औसतन सात घंटे एक मिनट सोते हैं जो विश्व में सबसे कम है। फिटबिट के ब्रिटिश यूजर इससे औसतन 48 मिनट अधिक और अमेरिकी यूजर औसतन 32 मिनट ज्यादा नींद लेते हैं। कामकाज का मुश्किल माहौल, खानपान की खराब आदतें, मानसिक तनाव, संसाधनों की कमी जैसी समस्याओं के कारण भारतीय कम सो पाते हैं। एक अच्छी बात यह है कि शहरी लोग पिछले कुछ वर्षों में फिटनेस को लेकर सजग हुए हैं। इससे जिम, सुपर फूड, ऑर्गेनिक बेवरेज आदि का नया मार्केट तैयार होने के साथ लोगों की सोने की आदतों में भी सुधार हो रहा है।

आईकेईए के कंट्री मार्केटिंग मैनेजर अमिताभ पांडे ने बताया, उपभोक्ताओं ने सराहना की है कि आईकेईए सोने के महत्व पर चर्चा कर रही है। वर्षों से इस विषय को नजरअंदाज किया गया है। हमारे कैंपेन श्लेट्स सेलिब्रेट स्लीपश् को शहरी ग्राहकों के लिहाज से सबसे सटीक कैंपेन माना गया है। अगर हम बेनिफिट को प्रेरणात्मक तरीके से पेश करते हैं और किफायती और आसान समाधान मुहैया कराते हैं, तो लोग थोड़ा अधिक खर्च करने के लिए तैयार हो जाते हैं।

कम सोने से डायबिटीज, हाइपरटेंशन, दिल से जुड़ी बीमारियों के साथ डिप्रेशन और तनाव जैसी मानसिक परेशानियां हो जाती हैं। हम थेरपी, मस्तिष्क योग और ध्यान की मदद से मेंटल हेल्थ सॉल्यूशन दे रहे हैं। हम ये सुविधाएं क्लिनिक के बजाय अपने योग स्टूडियो में देते हैं ताकि लोगों को मरीज जैसा न महसूस हो।

प्याज के छिलकों में छिपे हैं सेहत और सौन्दर्य के राज

प्याज का इस्तेमाल करने से पहले अगर आप उसके छिलकों को निकाल कर फेंक देते हैं, तो प्याज के छिलकों में छिपे सेहत और सौन्दर्य के ये 5 राज जानने के बाद आप उन्हें फेंकना भूल जाएंगे -

बैड कोलेस्ट्राल कम करने में मदद करता है -

इसके लिए आपको प्याज के छिलकों को पूरी रात पानी में भिगोकर रखना है और सुबह इस पानी को पीना है। इसका स्वाद आपको जरूर अच्छा नहीं लगेगा, इसलिए आप चाहें तो इसमें शहद या चीनी मिलाकर भी पी सकते हैं। रोजाना इसके सेवन से आपको कुछ दिनों में फर्क जरूर नजर आएगा है।

त्वचा की एलर्जी से राहत दिलाएगा -

यदि आपको त्वचा में किसी चीज से एलर्जी है तो आप ऊपर बताई गई विधि से ही प्याज के छिलकों का पानी बनाएं (यानी कि रातभर प्याज के छिलकों को पानी में भिगोकर रखें और सुबह प्याज के छिलकों का पानी तैयार है) अब इस पानी से रोजाना अपनी त्वचा साफ करें।

बालों को बनाऐ खूबसूरत -

आप बालों को चमकदार बनाने के लिए कई तरह के कंडीशनर इस्तेमाल करती हैं, तो अब से आप प्याज के छिलकों का पानी भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपके बाल मुलायम और चमकदार हो जाएंगे।

चेहरे के दाग-धब्बे हटाएं -

चेहरे के दाग-धब्बे से निजात पाने के लिए आप प्याज के रसयुक्त छिलके का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप प्याज के छिलके में हल्दी मिलाकर दाग-धब्बे वाली जगह पर लगाएं। जल्द ही आपको फर्क दिखेगा।

यदि कभी आपका गला खराब हो जाए तो आप प्याज के छिलकों को गर्म पानी में उबालें फिर इस पानी को पी लें। गले से संबंधित परेशानियों में प्याज की यह अनोखी चाय बेहद लाभकारी होगी।

जिद्दी दाग को बर्तनों से साफ करने के नैचुरल तरीके

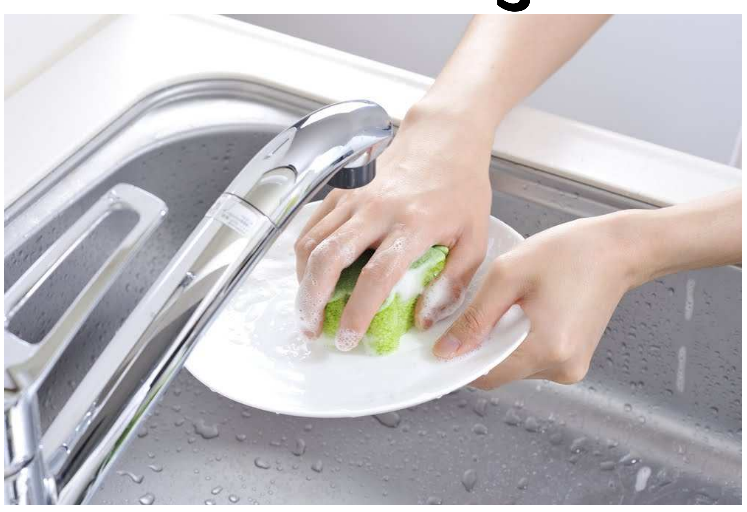

हर महिला को पसंद है कि उसके रसोई के बर्तन हमेशा चमकते रहें, लेकिन अगर बर्तन जल जाता है तो, उसे साफ करने में दिक्कत आती हैं। आज हम आपको बर्तन को साफ करने के तरीके बताएंगें। इससे आपको अपने बर्तन चमकदार बनाने में आसानी होगी।

प्याज का प्रयोग-एल्यूमीनियम के जले हुए बर्तनों को साफ करने के लिए उसमें एक प्याज डालकर अच्छी तरह उबाल लें। फिर बर्तन धोने के पाउडर से साफ करें।

नींबू प्लास्टिक कंटेनर को बहुत ही अच्छे से साफ करने और उसमें से बदबू दूर करने के लिये फ्रेश नींबू का प्रयोग करें। नींबू के छिलके से कंटेनर को रगड कर साफ करें। इससे दाग हल्के और धीरे-धीरे साफ हो जाता है।

बेकिंग सोडा बरतन में 1०-15 मिनट के लिए बेकिंग सोडा भिगो कर रखें दें। फिर सोडे को गोलाई में रगडे। इससे आपका एकदम साफ हो जाएगा।

बर्तनों के दाग-धब्बे साफ करने के लिए आप दही का इस्तेमाल अच्छा होता है।

अगर बर्तनों पर कडा और जिद्दी दाग है और आप के पास वाइन है तो उससे बर्तन को आसानी से साफ किया जा सकता है।

बुनियादी ढांचे की कमी महिलाएं ज्यादा असुरक्षित

देश में प्रति दिन औसतन 86 रेप होते हैं। यह संख्या वह है, जो पुलिस के रिकार्ड में दर्ज की जाती है। हर दिन होने वाले ढेरों रेप या रेप के प्रयास, हिंसक छेड़छाड़ और अभद्रता की संख्या का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

राष्ट्रीय वार्षिक महिला सुरक्षा रिपोर्ट व सूचकांक-2025 के अनुसार दिल्ली समेत पटना, जयपुर, कोलकाता, श्रीनगर, रांची व फरीदाबाद महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित हैं जबकि मुंबई, कोहिमा, भुवनेर, विशाखापत्तनम व गंगटोक सबसे सुरक्षित। कोहिमा व अन्य सुरक्षित शहरों में महिलाओं को ज्यादा समानता, नागरिक भागीदारी, बेहतर पुलिस व्यवस्था व अनुकूल बुनियादी ढांचा बताया जा रहा है। यह सर्वेक्षण देश के इक्तीस शहरों की बारह हजार 770 महिलाओं पर किया गया।

दस में से छह महिलाओं ने खुद को अपने शहर में सुरक्षित बताया जबकि 40 प्रतिशत ने ज्यादा सुरक्षित नहीं या असुरक्षित माना। करीब 91 प्रतिशत महिलाएं कार्यस्थल पर खुद को सुरक्षित बता रही हैं। 7 प्रतिशत महिलाएं मानती हैं कि सार्वजनिक स्थल पर उन्होंने बीते वर्ष उत्पीड़न झेला। हालांकि हर तीन में से दो महिलाएं उत्पीड़न की शिकायत नहीं करतीं। 29 प्रतिशत सार्वजनिक परिवहन में और 38 प्रतिशत पड़ोस में उत्पीड़न का शिकार होती हैं। जिन शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे की कमी है, वहां महिलाएं ज्यादा असुरक्षित हैं।

स्वीकार करना होगा कि असुरक्षित महसूस करने वाली जगहों के नागरिकों की शिक्षा, सोच व संस्थागत जवाबदेही का कमजोर होना प्रमुख कारण हैं। हालांकि सवा अरब की आबादी में पौने तेरह हजार महिलाओं पर अध्ययन नाममात्र ही कहा जाएगा। ऐसे अध्ययनों में कुछ लाख नागरिकों को शामिल किया जाना चाहिए। रस्मादायगी के तौर पर सर्वेक्षण समाज या देश के लिए हितकारी नहीं कहे जा सकते। इनके निष्कर्षे के अनुसार कदम उठाए जाने चाहिए। राज्य सरकारों, महिला आयोग जैसी संस्थाओं पर कड़ाई रहनी चाहिए। पितृसत्तात्मक बर्ताव, स्त्री उपेक्षा व लैंगिक विभेद के प्रति नागरिकों को जागरूक करना होगा। आंकड़ों को प्रकाशित/प्रसारित करने भर की रस्म से सुधार संभव नहीं हैं। जमीनी स्तर पर भी गंभीरतापूर्वक काम होना चाहिए। रेप, छेड़छाड़, व्यभिचार को असुरक्षा की स्थिति से अलग नहीं किया जा सकता। सोच और रवैया, दोनों बदलने के साथ ही संबंधित विभागों, पुलिस और प्रशासन को जिम्मेदार बनाना भी जरूरी है। (आरएनएस)

अवैध प्रवासियों की घुसपैठ

सुप्रीम कोर्ट ने अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने को लेकर सरकार द्वारा अपनाई गई मानव संचालन प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी मांगी। केंद्र से पूछा क्या वह अवैध प्रवासियों की घुसपैठ रोकने के लिए सीमा पर दीवार बनाना चाहता है। पीठ ने बंगाली व पंजाबीभाषी भारतीयों की पड़ोसी मुल्कों के साथ साझा सांस्कृतिक व भाषाई विरासत की भी चर्चा की।

पीठ ने स्वीकारा कि पीड़ित संसाधनों की कमी के अभाव में शीर्ष अदालत पहुंचने में असमर्थ हैं। सरकार की तरफ से दी गई दलील में एजेंटों के अवैध प्रवेश करवाने की बात की गई और कहा गया कि वे हमारे संसाधनों को नष्ट न करें। इस पर अदालत ने कहा यह राष्ट्रीय सुरक्षा, अखंडता व संसाधनों का सवाल है पर बंगाल व पंजाब की साझी विरासत पर केंद्र अपनी स्थिति स्पष्ट करे।

बीते दिनों प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाए कि केंद्र द्वारा बंगाली भाषाइयों को निशाना बनाया जा रहा है। बहस के दरम्यान केंद्र की तरफ से रोहिंग्याओं का जिक्र भी हुआ जिनके साथ आतंकवादियों के घुसपैठ का भी संदेह जताया गया।

अवैध प्रवासियों के चोरी-छिपे पड़ोसी मुल्कों में प्रवेश को लेकर दुनिया भर की सरकारें त्रस्त हैं। देश भर के सत्रह राज्यों में घुसपैठियों के रहने की बात सरकार द्वारा स्वीकारी जाती है। पंजाबी या बंगाली बोलने वालों को भारतीयों के साथ घुलने-मिलने में दिक्कत भी नहीं आती। जाहिर है, इनमें से कुछ रोजगार व सुरक्षा की तलाश में घुसते हैं। मगर अराजकता फैलाने व आतंकी गतिविधियों में शामिल होने की मंशा से गलत तरीकों से सीमा पार करने वालों की भी कमी नहीं है।

बार-बार दोहराया जाता है कि अकेले दो करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठियों के देश में रहने की चर्चा होती रहती है जिनमें से तकरीबन आधे पश्चिम बंगाल में ही लुक-छिप कर रह रहे हैं। हालांकि इस दावे की पुष्टि नहीं की जा सकती। केंद्र द्वारा बनाए गए नागरिकता संशोधन अधिनियम पर विरोध के साथ ही राजनीतिक दल अपने वोट बैंक के हवाले से बयानबाजियां करते रहे हैं। बेशक, धरपकड़ अभियानों द्वारा मुट्ठी भर घुसपैठिये ही पकड़ में आते हैं। इन्हें रोकने के लिए न तो दीवारें उठाई जा सकती हैं, न ही अभी अवैध घुसपैठियों को एक ही लाठी से हांका जा सकता है, जो कंटीली बाड़ों और मुस्तैद सुरक्षा-व्यवस्था के बावजूद घुसपैठ करते हैं, वे दीवारें लांघने में क्यों घबराएंगे।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

भारत नियति के द्वार पर खड़ा!

श्रुति व्यास

लंदन के द इकॉनोमिस्ट ने ठीक लिखा कि यदि अमेरिका भारत को अलग-थलग करता है, तो यह उसकी ऐतिहासिक भूल होगी। जबकि भारत के लिए अपनी सुपरपावर बनने की दावेदारी को परखने का यह मौका है। पहली नज़र में वाक्य सुकून देता है – जैसे अमेरिका गलती करेगा अगर डगमगाया, और भारत नियति के द्वार पर खड़ा है। पर ध्यान से सुनें तो यह तारीफ़ नहीं, टालमटोल है। सुपरपावर-इन-वेटिंग यानी अभी नहीं। याकि महज नारे जिनमें जान नहीं, प्रदर्शन जिसमें ताक़त नहीं। एंकर की तरह तीन शब्द हमें बाँध देते हैं। एक ऐसा राष्ट्र जो अपने ही भविष्य की कतार में फँसा है, हिचकिचाहट में अटका है। इतिहास में दर्ज होता है, ताक़त के रूप में नहीं, बल्कि फुटनोट की तरह– इन वेटिंग।

यह नहीं कि भारत कभी इंतज़ार में नहीं रहा। मोटामोटी हर प्रधानमंत्री ने ताकत और फुटनोट की खाई को पाटने की कोशिश अपने-अपने ढंग से की है– अपूर्ण रूप से, लेकिन एक निशान छोड़ते हुए। बस आज वह इन-वेटिंग इतना जाहिर, स्पष्ट, इतना चौड़ा हो गया है कि आकांक्षा और आस्था के बीच की दूरी लगभग असंभव लगती है।

आज़ादी के समय नेहरू ने नियति से साक्षात्कार की बात की थी – एक उपनिवेश से आगे बढ़ने का साहस। इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश के निर्माण से लेकर पोखरण तक भारत की ताक़त दिखाई। नरसिंहाराव ने 1991 में बंद अर्थव्यवस्था की दीवार तोड़ी और उदारीकरण की नींव रखी। मनमोहन सिंह ने शांति से न्यूक्लियर डील, स्थिर विकास और वैश्विक बाज़ार में भारत की स्थिति को मज़बूत किया। हर दौर अपूर्ण था, पर आकांक्षा जीवित थी। यह भावना केवल सत्ता गलियारों में नहीं, बल्कि भारत के मध्यमवर्ग की कल्पना में भी थी।

फिर आए नरेंद्र मोदी, जिन्होंने आकांक्षा को तमाशे और नारों में लपेट दिया। मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, अमृत काल – नियति की भाषा को नए ज़माने के लिए पैक किया। कुछ समय के लिए लगा कि अब इन वेटिंग ख़त्म होगा, भारत महाशक्तियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होगा। यह स्वप्न स्वर्णिम लगा।

पर सपनों का रंग नहीं होता और न कोई विचारधारा। वे या तो साहसी होते हैं या हिचकिचाए हुए। रूस सोवियत अतीत को पुनर्जीवित करना चाहता है। चीन अपने ही साये से बड़ा होना चाहता है। उनकी आकांक्षा कठोर है, बलिदान से तराशी हुई। भारत की आकांक्षा भावुक है, नारों में ढह जाती है। हम खुद को यह कहकर सांत्वना देते हैं कि हमारी चढ़ाई लोकतांत्रिक होगी, इसलिए श्रेष्ठ होगी। पर बिना त्याग और साहस के, सपने रेटरिक में बदल जाते हैं।

पर आज का भारत क्या सपने देखना छोड़ नहीं चुका है?

अपने चारों ओर देखिए। आपका घर, गाड़ी, सड़क, दफ़्तर की मेज़, टिफ़िन का खाना, बैंक का मैसेज – यही है हमारी ज़िंदगी की लय। सुरक्षित, स्थिर, पूर्वानुमेय। यह आरामदायक है, लेकिन आकांक्षाएँ अब सुपरपावर बनने की ऊँचाई पर नहीं, बल्कि मध्यमवर्गीय सुरक्षा की छत पर अटकी हैं – नौकरी, ईएमआई, सालाना छुट्टी। 21वीं सदी में भी हम जीने को महत्वाकांक्षा समझते हैं, स्थिरता को नियति। इसी चुप्पी में छिपा है वह सच, कि भारत अब भी सुपरपावर इन वेटिंग है।

नई सदी ने ताक़त का नक्शा बदल दिया है। अब शक्ति का स्रोत न साम्राज्य है, न कच्चा माल, बल्कि मनुष्य की क्षमताएँ और उन्हें संभालने वाला ढाँचा। राष्ट्र नारों से नहीं, बल्कि इस बात से उठते हैं कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, शोध और सड़कों में कितना निवेश करते हैं। प्रतियोगिता अब भूगोल की नहीं, प्रतिभा की है।

इन वेटिंग की कहानी सिर्फ़ नीतिगत कागज़ों या जीडीपी आँकड़ों में नहीं, बल्कि ज़मीनी शहरों में दिखती है – और मुंबई से स्पष्ट कोई दूसरा शहर नहीं है। मगर यहाँ महत्वाकांक्षा और असमानता भयावह आमने-सामने खड़ी हैं। 1970-80 के दशक में यह शहर हाजी मस्तान, करीम लाला, वरदराजन मुदलियार जैसे अंडरवर्ल्ड डॉनों का था। बाद में दाऊद ने अपराध में वैश्विक हल्लाबनाया। आज दौर बदला है। अब अंबानी और अदानी की तूती हैं। और इन्हें मोदी राज में राष्ट्रवाद की भाषा में आत्मनिर्भर भारत के महानायक कहा जा रहा है। जो उद्यमशीलता पहले गली-मोहल्ले से फलती-बढ़ती थी, वह अब राज्य की चुप्पी और नीति की कृपा से प्रतिमान बन रहे हैं।

पर जिस राष्ट्र में अरबपति मसीहा बनते हैं, वह धन को महत्ता से और इसी के गरूर में ग़लतफ़हमी में फंसता है। व्यापारी घरानों से औद्योगिकीकरण और उससे रोज़गार व वास्तविक आर्थिक शक्ति नहीं बनती। फिर शिक्षा खोखली और टूटी हुई है, बुनियादी ढाँचा कमज़ोर है। और जब संकट आता है तो सुधारों की जगह हिंदू राष्ट्रवाद की डुगडुगी बनती है। या सरकार नया आख्यान गढ़ती है। जैसे ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ़ से बाज़ार हिला, तो ईवाई की रिपोर्ट आई। जबरदस्ती बेवक्त का हल्ला कि 2038 तक भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। कागज़ पर वादा है – ताक़त, उपभोग, पूँजी। पर ज़मीन पर सवाल वही है– क्या आर्थिकी का बड़ा आकार भीड़ में जी रहे आम भारतीय को गरिमा देगा?

जब तक असमानता के कैंसर से निजात नहीं है, मानव पूँजी नहीं बनेगी, ढाँचा नहीं सुधरेगी, भारत आर्थिक शक्ति नहीं, बल्कि विरोधाभासों में फंसा रहता है। अर्थव्यवस्था का आकार भले बढ़े पर समृद्धि के छोटे टापू रहेंगे। विकास की बातें और वंचना का सागर। हम फुटनोट ही बने रहेंगे और इन तीन शब्दों में कैद रहेंगे – सुपरपावर इन वेटिंग।

शब्द सामर्थ्य

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

1		2	■	3		4	■	5
	■		■		■	6		
■	7				■		■	
8		■	■		■	9	10	
	■	■	■	11	12	■		■
13			14	■	15			■
	■	■	16	17		■	18	19
■	20	■	■		■	21	■	
22					■	23		

चु	स्त	■	मु	■	सं	स्था	न	■
ग	■	म	र्दा	न	गी	■	त	म
ली	प	ना	■	■	त	न	■	■
■	ना	ना	■	■	■	■	ज	■
मा	ह	■	रा	■	सा	ज	न	■
न	■	स	ह	दे	व	■	म	द
व	■	म	■	व	न	ज	■	ल
ता	क	त	व	र	■	मी	■	द
■	ल	ल	क	■	क	र	त	ल

कामेडी-ड्रामा सीरीज़ डू यू वाना पार्टनर का ट्रेलर रिलीज

भारत का सबसे पसंदीदा मनोरंजन मंच, प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी हिंदी ओरिजिनल कामेडी-ड्रामा सीरीज़ डू यू वाना पार्टनर का ट्रेलर जारी किया। यह सीरीज़ धर्मैटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित है, जिसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता हैं, जबकि शोमेन मिश्रा और अर्चित कुमार एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। इस सीरीज़ का निर्देशन कालिन डीकुन्हा और अर्चित कुमार ने किया है। पटकथा नंदिनी गुप्ता, आर्ष वोरा और मिथुन गांगोपाध्याय ने लिखी है, जबकि इसकी रचना मिथुन गांगोपाध्याय और निशांत नायक ने की है।

इसमें मुख्य भूमिकाओं में तमा भाटिया और डायना पेंटी नज़र आएंगी, इनके साथ ही जावेद जाफ़री, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफ़ी मोतीवाला और रणविजय सिंहा भी अहम किरदारों में दिखाई देंगे। डू यू वाना पार्टनर का प्रीमियर भारत सहित दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में 12 सितंबर को विशेष रूप से केवल प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।

डू यू वाना पार्टनर का ट्रेलर एक जोशीली धुन के साथ शुरू होता है, जो हमें दो जिगरी दोस्तों शिखा (तमा भाटिया) और अनाहिता (डायना पेंटी) की जिंदगी की झलक दिखाता है। ये दोनों दोस्त अपना खुद का क्राफ्ट बीयर ब्रांड लान्च करने के एक दमदार आइडिया के साथ स्टार्ट-अप की दुनिया में कदम रखती हैं। इसके बाद शुरू होती है एक मजेदार और हाई-एनर्जी सफर, जिसमें बीयर के दिग्गजों, माफिया और ऐसे-ऐसे जुगाड़ सामने आते हैं, जिनकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

लेकिन सवाल यह है, क्या वे यह धारणा तोड़ पाएंगी कि महिलाएं बीयर नहीं बना सकतीं? क्या वे अपने खुद के बुने हुए जाल से निकल पाएंगी? या उनका सपना पूरा होने से पहले ही टूट जाएगा? डू यू वाना पार्टनर उन गहराई भरे, भावनात्मक रूप से जटिल, फिर भी मजेदार शोज में से एक है, जिनका मैं हिस्सा रही हूं, जो बात इसे सचमुच विशेष बनाती है, वह यह है कि यह महिला मित्रता और बहनचारे की भावना का जश्न मनाती है, बिना इसे स्त्री-पुरुष के टकराव की कहानी बनाए,

अभिनेत्री तमा भाटिया ने कहा, यह दोस्ती, संघर्ष और सबसे अजीबोगरीब विचारों को हक़ीक़त में बदलने के साहस का जश्न है। मेरे लिए शिखा का किरदार निभाना और इस शानदार कलाकारों व टीम के साथ काम करना एक बदलाव लाने वाला अनुभव रहा है।

जब मैंने पहली बार डू यू वाना पार्टनर की कहानी सुनी, तो मुझे दोनों मुख्य महिला किरदारों के बीच की सच्ची केमिस्ट्री ने सबसे ज्यादा आकर्षित किया , ऐसा कुछ जो हमें स्क्रीन पर बहुत कम और इतनी गहराई से देखने को मिलता है। यह शो सिर्फ उद्यमिता की यात्रा को ही नहीं दिखाता, बल्कि सहयोग और महिला दोस्ती के जादू को भी बहुत ख़ूबसूरती से पेश करता है, जिससे यह बेहद प्रासंगिक बन जाता है,। अभिनेत्री डायना पेंटी ने कहा, अनाहिता का किरदार निभाना एक ऐसी महिला जो अपने सपनों को साकार करने के लिए पूरे धैर्य और हिम्मत के साथ आगे बढ़ती है, अपनी सबसे अच्छी दोस्त का साथ निभाती है और उद्यमिता की राह में आने वाली तमाम चुनौतियों का सामना करती है, मेरे लिए रोमांचक और सशक्त अनुभव रहा है, यह सीरीज वास्तव में प्रेम और जुनून से बनी है, जिसे एक शानदार कलाकारों और क्रू ने जीवंत किया है, मुझे इंतज़ार है कि दुनिया भर के दर्शक इस कहानी को देखें, जो सिर्फ व्यावसायिक साझेदारी ही नहीं बल्कि दोस्ती के अटूट बंधन का भी उत्सव मनाती है।

मंचू मनोज ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा डेविड रेड्डी की घोषणा

रॉकिंग स्टार मनोज मांचू हाल ही में अपनी भूमिकाओं को लेकर काफ़ी ज़्यादा चयनात्मक हो गए हैं, और ऐसी पटकथाएँ चुन रहे हैं जो आने वाले वर्षों तक लोगों को प्रभावित करेंगी। उनका नवीनतम प्रोजेक्ट रोमांच से कम नहीं है-एक ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा जो पर्दे पर उनकी ज़बरदस्त वापसी का प्रतीक है। हनुमा रेड्डी यक्कंती द्वारा निर्देशित और वेलवेट सोल मोशन पिक्चर्स के बैनर तले मोटूकुरी भरत और नल्लागंगुला वेंकट रेड्डी द्वारा समर्थित, यह ऐतिहासिक महाकाव्य तेलुगु सिनेमा में एक ऐतिहासिक फ़िल्म बनने का वादा करता है, जो जोश और विद्रोह से भरपूर है।

डेविड रेड्डी नामक यह फिल्म 1897 से 1922 तक के समय को दर्शाती है और साहस और अवज्ञा की एक दिलचस्प कहानी पेश करती है। मनोज मांचू एक शक्तिशाली, पहले कभी न देखे गए अवतार में नज़र आएंगे, जो एक निडर विद्रोही की कहानी को जीवंत करता है जो जातिगत उत्पीड़न की राख से उठकर शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य से लोहा लेता है। यह कहानी दमदार, ज़मीनी और भावनात्मक रूप से सशक्त है, जिसमें सिनेमाई यथार्थवाद और व्यापक अपील का मिश्रण है जो दर्शकों के दिलों को छू लेने का वादा करता है।

और आज, यह पूरा हो गया है-21 साल पहले, इसी दिन, मंचू मनोज ने डोंगा डोंगाडी से अपनी शुरुआत की थी। अब, ठीक दो दशक बाद, उन्होंने अपनी अगली धमाकेदार फ़िल्म डेविड रेड्डी की घोषणा की है। संयोग? शायद। लेकिन एक ऐसा संयोग जिसे सिनेमा प्रेमी हमेशा याद रखेंगे।

फिलहाल प्री-प्रोडक्शन के दौर में, फिल्म का टाइटल पोस्टर एक साहसिक बयान देता है, जो उस क्रांति का संकेत देता है जो पर्दे पर आने वाली है। डिज़ाइन में शीर्षक को मनोज के चेहरे में बड़ी चतुराई से बदल दिया गया है, और साथ में टैगलाइन है- मद्रास प्रेसीडेंसी में जन्मे, दिल्ली में पले-बढ़े। अब, ब्रिटिश साम्राज्य को हिला रहे हैं। यह आकर्षक पोस्टर ही इस बात का संकेत देता है कि यह फिल्म बड़े पर्दे पर कितनी ताकत और पैमाने लेकर आएगी।

रुबीना दिलैक ने साड़ी में दिखाए लटके-झटके

अभिनेत्री रुबीना दिलैक इन दिनों रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा को लेकर काफी चर्चा में बनी हुई हैं। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर कीं।

अभिनेत्री ने डार्क पर्पल साइनिंग वाली गोल्डन प्रिंट साड़ी पहन रखी है। उन्होंने गले में मंगलसूत्र, मांग में सिंदूर और हाथों में कंगन पहना हुआ है। खुले हुए बालों में रुबीना दिलैक का यह लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

पहली फोटो में वह स्टाइलिश तरीके से पोज देते हुए नजर आ रही हैं। दूसरी में वह बालों को संवारती हुए पोज दे रही हैं. इस दौरान उन्होंने वीडियो के लिए भी पोज दिए. रुबीना ने इसे कैप्शन दिया, अपनी नारी शक्ति को व्यक्त कर रही हूं।

फैंस को यह पोस्ट काफी पसंद आ रहा है। एक यूजर ने कमेंट लिखा- ब्यूटी फुल तो दूसरे यूजर ने बास लेडी। एक अन्य यूजर ने लिखा, प्रिटी। एक शख्स ने अभिनेत्री के बालों की तारीफ करते हुए लिखा, रुबीना, आपके स्ट्रेट हेयर काफी अच्छे लग रहे हैं।

अभिनेत्री रुबीना ने इससे पहले इंस्टाग्राम पर पति अभिनव संग तस्वीरें पोस्ट कीं थीं, जिसमें दोनों साथ में प्यारे लग रहे थे। उनकी इस पोस्ट से फैंस अंदाजा लगा रहे थे कि उनकी ये तस्वीरें पति-पत्नी और पंगा के सेट की हैं। रुबीना ने उसमें लाइट पर्पल कलर की ड्रेस पहनी थी। वहीं, अभिनव ब्लैक कोट-पैंट में नजर आए थे। इसके कैप्शन में रुबीना ने लिखा, ये मेरा पति और मैं इसकी पंगा, मेरा मतलब है पत्नी।

रुबीना दिलैक ने मिस शिमला समेत कई ब्यूटी कान्टेस्ट में अवार्ड्स अपने नाम किए हैं। एक्ट्रेस बनने से पहले वह आईएएस अधिकारी बनना चाहती थीं, जिसके लिए वह चंडीगढ़ में तैयारी भी करने भी गई थीं, लेकिन किस्मत में कुछ और ही लिखा था। एक बार उन्होंने अपनी फ्रेंड के कहने पर टीवी सीरियल छोटी बहू के लिए आडिशन दिया और सेलेक्ट भी हो गईं। यहां से उन्होंने एक्टिंग में जाने का फैसला किया और सीरियल में राधिका का रोल निभाया। इसके बाद उन्होंने सास बिना ससुराल, पुनर्विवाह- एक नई उम्मीद, जीनी और जूजू, और शक्ति जैसे हिट शो दिए हैं। उन्होंने राजपाल यादव स्टारर फिल्म अर्ध से बालीवुड में डेब्यू किया। वह बिग बास 16 की विनर भी रही हैं।

एक्ट्रेस सुरभि चंदना का यूट्यूब चैनल हुआ हैक!

टीवी की मशहूर अदाकारा सुरभि चंदना इन दिनों अपने म्यूजिक प्रोजेक्ट फील गुड ओरिजनल्स को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में सुरभि ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि उनका आधिकारिक यूट्यूब और जीमेल अकाउंट हैक हो गया है। इस घटना ने न केवल टीम को बल्कि उनके फैंस को भी एक बड़ा झटका दिया है।

सुरभि ने अपने पोस्ट में लिखा कि उनका ट्रैक फर्जी पूरी तरह तैयार था और उसे अपने दर्शकों के साथ साझा करने की पूरी योजना थी। लेकिन जैसे ही अकाउंट हैक हुआ, उन्हें मजबूरन गाने की रिलीज को टालना पड़ा। उन्होंने बताया कि वो यूट्यूब इंडिया और गूगल इंडिया की मदद से अपने अकाउंट को वापस पाने की कोशिश कर रही हैं और उम्मीद है कि जल्द ही सब कुछ फिर से सामान्य हो जाएगा।

अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, जिंदगी ने हमें बीती रात एक अनचाहा विराम दे दिया। हमारा फील गुड ओरिजनल्स का आधिकारिक अकाउंट जीमेल और यूट्यूब हैक हो गया और हमने इन तक अपनी पहुंच खो दी। हमारा नया गाना फर्जी आपके सामने पेश किया जाना था, लेकिन किस्मत ने अभी कुछ और ही सोच रखा है।

सुरभि ने आगे कहा कि हर विराम एक मजबूत वापसी की तैयारी होती है। उनका मानना है कि कोई तूफान इतना ताकतवर नहीं होता कि संगीत को खामोश कर दे और कोई भी रुकावट इतनी बड़ी नहीं होती जो एक सपने को रोक सके। उन्होंने विश्वास जताया कि उनका गाना फर्जी जरूर रिलीज होगा और जब वह आएगा तो सिर्फ एक गाना नहीं बल्कि एक जज्बात, संघर्ष और उम्मीद का प्रतीक होगा।

पोस्ट के आखिर में सुरभि ने अपने फैंस का आभार व्यक्त करते हुए लिखा, हमारे साथ खड़े रहने के लिए, हम पर विश्वास रखने के लिए आपका धन्यवाद।

हिंदू राष्ट्र का निर्माण चिरंतन मुद्दा

अजीत द्विवेदी

अयोध्या में राममंदिर का निर्माण, देश भर में समान नागरिक संहिता लागू करने और जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 37० हटाने का मुद्दा राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ और भारतीय जनसंघ का सबसे पुराना एजेंडा था। आजादी के तुरंत बाद से इस पर बहस हो रही थी और अलग अलग समय पर आंदोलन भी हुए। इनमें से दो मुद्दे सुलझ गए हैं। अयोध्या में भव्य राममंदिर बन गया है और कश्मीर से अनुच्छेद 37० हटा दिया गया है। जहां तक देश भर में समान कानून लागू करने की बात है तो उसकी भी शुरुआत हो गई है। उत्तराखंड पहला राज्य बना है, जहां यूसीसी लागू किया गया है। इसी तर्ज पर गुजरात और असम जैसे राज्यों में भी इसे लागू करने की तैयारी चल रही है।

भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व चाहता है कि राज्यवार समान नागरिक संहिता लागू हो। अब सवाल है कि इन तीन मुद्दों के हल होने के बाद आगे क्या? हिंदू राष्ट्र का निर्माण चिरंतन मुद्दा है वह चलता रहेगा लेकिन ऐसा लग रहा है कि भाजपा और संघ का नया मुद्दा घुसपैठ का है। अब हर बात में घुसपैठ का जिक्र होगा, हर चुनाव में यह मुद्दा होगा और इसे सुलझाने के प्रयास के लिए वोट मांगे जाएंगे। कहने की जरुरत नहीं है कि घुसपैठ की समस्या के लिए कांग्रेस और उसकी कथित तुष्टिकरण की नीतियों को जिम्मेदार बताया जाएगा। यह भी कहने की जरुरत नहीं है पहले के मुद्दों की तरह इसमें भी अंतर्निहित मुद्दा हिंदू-मुस्लिम का होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से लगातार 11 बार भाषण दिए तो उसमें उन्होंने घुसपैठ का जिक्र नहीं किया। घुसपैठ का जिक्र पहली बार उनके 12वें भाषण में आया। जाहिर है अनुच्छेद 37०, यूसीसी और राममंदिर के बाद पैदा हुए खालीपन में एक नए मुद्दे की तलाश थी, जो घुसपैठ पर जाकर खत्म हुई है। हालांकि अभी तक इस मुद्दे के चुनाव जीता देने की क्षमता की परीक्षा नहीं हुई है। झारखंड में भाजपा ने बड़े जोर शोर से इस मुद्दे को आजमाया था लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इस मुद्दे के चैंपियन नेता असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को झारखंड में उतारा गया था लेकिन वे भी विफल रहे। लेकिन भाजपा ने हार नहीं मानी है। उसको पता है कि पुराने मुद्दे कितने दशक तक चले थे और कितने समय के बाद उनका राजनीतिक लाभ मिलना शुरू हुआ था। इसलिए घुसपैठ का मुद्दा पूरे जोरशोर से चलता रहेगा।

झारखंड के बाद इसकी परीक्षा बिहार में होगी और उसके बाद असम और पश्चिम बंगाल में इसे आजमाया जाएगा। इन तीन राज्यों के चुनाव को ध्यान में रख कर ही इसे मुद्दा बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से ऐलान किया कि सरकार एक उच्च अधिकार प्राप्त डेमोग्राफी कमीशन बनाएगी, जो घुसपैठ की समस्या का आकलन करेगी और इससे निपटने के उपाय करेगी। ध्यान रहे घुसपैठ की समस्या नई नहीं है। आजादी के बाद से ही भारत में कई तरफ से घुसपैठ हो रही है।

बुनियादी रूप से घुसपैठ की समस्या को लेकर ही भारत 1971 की लड़ाई में शामिल हुआ था। सो, पिछले कई दशक से यह समस्या भारत के सामने है और भाजपा हर चुनाव में इसे किसी न किसी रूप में उठाती भी रही है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि इसे मुख्य मुद्दे के तौर पर उठा कर राष्ट्रीय विमर्श में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। कितनी कामयाबी मिलेगी इसकी परीक्षा नवंबर से लेकर मई तक होने वाले तीन राज्यों, बिहार, असम और पश्चिम बंगाल के नतीजों में होगी।

अब सवाल है कि सरकार घुसपैठ की समस्या को सिर्फ राजनीतिक मुद्दे के तौर पर उठा रही है या सचमुच इसका समाधान करना चाहती है? यह सवाल इसलिए है क्योंकि पिछले 11 साल से लगातार केंद्र में भाजपा की सरकार है और अभी तक घुसपैठ रोकने का एक भी गंभीर प्रयास होता नहीं दिखा है। पिछले छह साल से लगातार अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री हैं। उन्होंने सबसे लंबे समय तक गृह मंत्री बने रहने का रिकॉर्ड बनाया है। लेकिन बांग्लादेश की सीमा की बाड़ेबंदी का काम पहले की तरह मंथर गति से ही चल रहा है।

इसमें कोई तेजी नहीं आई है। बांग्लादेश की सीमा से होने वाली घुसपैठ के लिए 11 साल पहले की कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाता है और पश्चिम बंगाल सरकार पर हमला किया जाता है वह जमीन नहीं दे रही है। अगर बंगाल सरकार जमीन नहीं दे रही है तो सवाल है कि क्या असम से लगती सीमा पर बाड़ लगा दी गई है या त्रिपुरा से लगती बांग्लादेश की सीमा पर बाड़ लगा दी गई है। असम में 1० साल से और त्रिपुरा में आठ साल से भाजपा की सरकार है। डबल इंजन की सरकार होने के बावजूद बांग्लादेश से लगती सीमा पर बाड़ नहीं लगाई गई है और इंसानों से लेकर पशुओं तक की तस्करी जारी है। पूर्वोत्तर के ज्यादातर राज्यों में भाजपा या एनडीए की सरकार है लेकिन म्यांमार से आने वाले रोहिंग्या घुसपैठियों को नहीं रोका जा सका है। रोहिंग्या घुसपैठियों की समस्या तो बढ़ी ही पिछले 11 साल में है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठ की समस्या को बड़ा मुद्दा बताया है और कहा है कि इससे देश की जनसंख्या संरचना बदल रही है। इसके लिए उन्होंने सीमावर्ती जिलों के अधिकारियों को सचेत किया है और निगरानी बढ़ाने को कहा है। सवाल है कि कई साल पहले जब राज्यों के विरोध के बावजूद केंद्र सरकार ने सीमावर्ती राज्यों में सीमा या नियंत्रण रेखा से डेढ़ सौ किलोमीटर के अंदर तक निगरानी करने, जांच करने, छापा मारने और गिरफ्तार करने का अधिकार केंद्रीय अर्धसैनिक बल बीएसएफ को सौंप दिया फिर भी घुसपैठ क्यों नहीं रूकी, जो अब सीमावर्ती जिले के अधिकारियों को सचेत किया जा रहा है? ध्यान रहे पहले बीएसएफ को 5० किलोमीटर अंदर तक जांच करने और संदिग्धों को गिरफ्तार करने का अधिकार था, जिसे बढ़ा कर डेढ़ सौ किलोमीटर कर दिया गया है। जब सीमा से लेकर 5० किलोमीटर तक की निगरानी बीएसएफ कर रही थी तो घुसपैठ कैसे बढ़ी और अब जबकि डेढ़ सौ किलोमीटर तक निगरानी उसके जिम्मे है तब भी घुसपैठ क्यों जारी है? सरकार के पास इसका कोई जवाब नहीं है। यह भी नहीं बताया जा रहा है कि अगर यह योजना कामयाब नहीं हुई है तो दूसरा क्या रास्ता अपनाया जाएगा।

बिना किसी योजना के यहां वहां घुसपैठियों की धरपकड़ शुरू कर दी गई है। दिल्ली में और एनसीआर के शहरों, जैसे गुरुग्राम, गाजियाबाद और नोएडा में धरपकड़ हो रही है। लेकिन किसी को पता नहीं है कि पकड़े जा रहे बांग्लाभाषी लोग पश्चिम बंगाल के हैं या बांग्लादेश के। अवैध घुसपैठियों को निकालने का काम कैसे व्यवस्थित तरीके से किया जाता है यह अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने दिखाया। अमेरिका ने भारत के सैकड़ों अवैध प्रवासियों को हथकड़ी और बेड़ी में जकड़ कर सेना के जहाज में बैठा कर भारत भेज दिया। भारत अगर गंभीर है तो घुसपैठियों की पहचान ऐसे व्यवस्थित तरीके से करे और उन्हें बांग्लादेश की सीमा में जाकर छोड़े। लेकिन ऐसा कोई प्रयास करने की बजाय इसका राजनीतिक नैरेटिव बनाया जा रहा है। झारखंड में भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी आरोप लगे हैं कि राज्य में घुसपैठियों को बसा कर उनको नागरिक बनाया जा रहा है, जो एक दिन विधायक बन कर विधानसभा में पहुंचेंगे। केंद्र में भाजपा की सरकार होने और सीमा प्रबंधन उसके हाथ में होने के बावजूद कैसे बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड पहुंच कर वहां बस रहे हैं, इसका जवाब कौन देगा? इसी तरह असम में चुनाव है तो हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार ने नियम बनाया है कि अगर जमीन की अंतरधार्मिक खरीद बिक्री होती है तो उसके लिए पहले पुलिस की मंजूरी लेनी होगी। ध्यान रहे झारखंड और असम में एक जैसा मुद्दा उठाया जा रहा है। कहा जा रहा है कि बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठिए भारत में आकर शादी कर रहे हैं और जमीन खरीद रहे हैं। इस आरोप में सच्चाई भी है लेकिन सरकार इसे रोकने के लिए गंभीरता से प्रयास नहीं कर रही है। भाजपा के लिए घुसपैठ बड़ा मुद्दा है लेकिन उसे सुलझाने से पहले उसका राजनीतिक लाभ लेने की सोच दिख रही है।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

देश के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी आर्थिकी

डॉ. शालिग्राम सिंह

दुनिया भर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण व्यापार शुल्क को लेकर जो भीषण रार मची है, उसने विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा और मंजिल, दोनों को लेकर कई तरह के विमर्श और संकटों को सामने ला दिया है।

ये सारी बातें भविष्य की दुश्वारियों से तो जुड़ी हैं ही, इनसे अतीत के अनुभवों को लेकर भी कई बातें साफ हुई हैं। बात अकेले भारत की करें तो हमारे यहां खास तौर पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर उदारीकरण के दौर में जिस तरह की नीतिगत समझ बननी चाहिए थी, वैसी बनी नहीं। इस कारण लंबे समय तक देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा यह क्षेत्र गंभीर उपेक्षाओं का शिकार हुआ। आज जब नौकरी-रोजगार की समस्या पर प्राथमिकता के साथ विचार करने की दरकार फिर से मजबूत हुई है, तो देश के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी आर्थिकी को सुधारने की बात नये सिरे से रेखांकित हो रही है।

गौरतलब है कि 2०11 की जनगणना के मुताबिक, भारत की 68.85 फीसद आबादी ग्रामीण अंचल में रहती है। अलबत्ता, शहरीकरण के बढ़े जोर के बावजूद नीति आयोग का अनुमान है कि 2०45 में भी यह आंकड़ा 5० फीसद से ऊपर ही रहेगा। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण रिपोर्ट, 2०23-24 में बताया गया है कि ग्रामीण रोजगार मुख्य रूप से 53.5 फीसद स्वरोजगार और 25.6 फीसद आकस्मिक श्रम पर टिका है। ग्रामीण श्रमिकों का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा (58.4ञ्) कृषि में लगा हुआ है, जो आम तौर पर मौसमी रोजगार ही प्रदान करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में वेतनभोगी नौकरियां कुल कार्यबल का महज 12 फीसद है।

ऐसे में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का सबसे बड़ा आधार वहां के लोगों के आय विकल्पों में सुधार है। अच्छी बात यह है कि इस दिशा में देश काफी आगे बढ़ा है। नीति आयोग की रिपोर्ट के बाद केंद्र सरकार का 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकलने का तथ्य तो संयुक्त राष्ट्र तक में गूंज चुका है। इस आंकड़े का सबसे चमकदार पक्ष बिहार और यूपी जैसे वे राज्य हैं, जहां की आबादी का बड़ा हिस्सा गांव-कस्बों में रहता है। ये वही राज्य हैं जो बीमारू के नाम पर लंबे दौर तक गांवों के पिछड़ेपन के कारण कोसे जाते रहे हैं। बीते दशक में गरीबी उन्मूलन इन्हीं सूबों में सर्वाधिक हुआ है।

देश के ग्रामीण अंचल में आर्थिक सुधार और जागरूकता की एक बड़ी शुरु आत 2०14 में प्रधानमंत्री जन-धन योजना से हुई। इसके तहत अब तक देश में कुल 55.44 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले जा चुके हैं, जिनमें से 56 फीसद खाते महिलाओं के हैं। 21 मई, 2०25 तक इन खातों में कुल जमा राशि 2.5 लाख करोड़ रु पये से अधिक हो चुकी है। वित्तीय समावेशन की इस बड़ी पहल का नतीजा है कि खास तौर पर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में बचत और बीमा को लेकर तो जागरूकता आई ही है, वे वित्तीय लाभ के दूसरे विकल्पों को भी गंभीरता से आजमाने लगे हैं।

इन विकल्पों में सबसे दिलचस्प है शेयर बाजार की ओर उन्मुखता। कोरोना महामारी से पहले डीमैट और म्यूचुअल फंड खातों की संख्या पांच करोड़ थी, जो अब लगभग 13 करोड़ पर पहुंच चुकी है। बेशक, इसमें बड़ी भागीदारी शहरी खाताधारकों की है, लेकिन माना जा रहा है कि बाजार का आकार इस ओर बढ़ रहे ग्रामीणों के रुझान को इंगित करता है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए सक्षम और समृद्ध गांव जरूरी है। इस दिशा में अपने प्रयास को बढ़ाते हुए केंद्र सरकार ने फैसला किया है कि अब डाकघरों के जरिए भी म्यूचुअल फंड खरीदे जा सकेंगे। इसके लिए डाक विभाग और एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के बीच एक समझौता हुआ है। इसका उद्देश्य देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है। यह समझौता तीन वर्ष के लिए किया गया है, जो 21 अगस्त, 2०28 तक लागू रहेगा। आगे स्थिति की समीक्षा के साथ इसका नवीकरण होता रहेगा। इससे खास तौर पर देश के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोग म्यूचुअल फंड के इकोसिस्टम से जुड़ सकेंगे।

समझौते के तहत डाक विभाग के कर्मचारी म्यूचुअल फंड वितरकों के रूप में कार्य करेंगे। सरकार का यह कदम अपनी रूपरेखा और संकल्पना में कितना सुविचारित और विस्तृत है, यह इस बात से समझा जा सकता है कि पंचायतीराज मंत्रालय ने ग्रामीणों को सुरक्षित और लाभकारी निवेश के प्रति जागरूक करने के लिए सेबी के साथ अभियान की चरणवार रूपरेखा बनाई है। अभियान के तहत सबसे पहले छह राज्यों में 3,874 मास्टर ट्रेनर का एक नेटवर्क स्थापित किया जाएगा। पायलट राज्यों और मास्टर ट्रेनर नेटवर्क से शुरू होकर यह कार्यक्रम धीरे-धीरे सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक पहुंचाने की योजना है।

दिलचस्प है कि इस दौरान देश में स्टॉक और फंड मार्केट में हिस्सेदारी को लेकर नया रु झान सामने आया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की पांच वर्षों में डीमैट खाताधारकों की संख्या के अध्ययन के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2०25 में सबसे ज्यादा 186 लाख इक्विटी निवेशक महाराष्ट्र में हैं, जबकि दूसरे स्थान पर है उत्तर प्रदेश, जहां 13० करोड़ ऐसे निवेशक हैं, जो इक्विटी में पैसा लगाते हैं। वित्तीय वर्ष 2०2० की तुलना में 2०25 में महाराष्ट्र ने 212.4 फीसद वृद्धि दर्ज कराई है, वहीं उत्तर प्रदेश ने 47०.5 फीसद की छलांग लगाई है।

वैसे जिस सूबे ने अपने प्रदर्शन से सबको चौंकाया है, वह है बिहार। वहां वित्तीय वर्ष 2०2० में महज सात लाख बाजार निवेशक थे पर अब यह आंकड़ा 52 लाख को पार कर गया है यानी 678.8 फीसद की उच्चतम वृद्धि। बिहार में इस बदलाव के नायक निस्संदेह नीतीश कुमार हैं। दिलचस्प है कि इस परिवर्तन का एक बड़ा पक्ष महिलाओं से जुड़ा है। आज की तारीख में बिहार में 6,389 जीविका बैंक सखियां ग्रामीणों को बैंक से जुड़े कार्य उनके द्वार पर ही उपलब्ध करा रही हैं। अब जब डाकघर के जरिए तमाम बचत और बीमा सुविधाओं के साथ म्यूचुअल फंड की बिक्री शुरू होगी तो निश्चित रूप से वित्तीय समावेशन का नया दौर शुरू होगा। यह दौर देश के आर्थिक स्वावलंबन को तो मजबूती देगा ही इससे ओडिशा, झारखंड और बिहार जैसे पिछड़े सूबों के ग्रामीण अंचल में भी समृद्धि और खुशहाली बढ़ेगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और शिक्षाविद् हैं, लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

नगर आयुक्त ने किया सामुदायिक भवन मायाकुंड का दौरा

संवाददाता

देहरादून। नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल ने नीरज देवभूमि चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित फिजियोथैरेपी सेंटर सामुदायिक भवन का दौरा किया।

आज यहां नीरजा देवभूमि चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निशुल्क संचालित शिक्षण स्थान एवं फिजियोथैरेपी सेंटर सामुदायिक भवन मायाकुंड में गोपाल राम बिनवाल नगर आयुक्त (नगर निगम ऋषिकेश) का छोटे बच्चों को आशीर्वाद दिया। नगर आयुक्त ने संस्था द्वारा संचालित कार्यों की प्रशंसा करते हुए बच्चों का उत्सवर्धन किया और बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, यह सब बच्चों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। इसके लिए हम नगर आयुक्त का तहे दिल से धन्यवाद करते हैं। इस शुभ अवसर पर मनोज गुप्ता, हरीश आनंद, सह संस्थापक नूपुर, श्रीमती माधवी गुप्ता, श्रीमती शिखा पाल, अध्यापिका श्रीमती अंजना, श्रीमती अनुसूया मौजूद रहे।

कई छात्र नेताओं ने ली एनएसयूआई की सदस्यता

संवाददाता

देहरादून। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज सुद्धोवाला के कई छात्र नेताओं ने एनएसयूआई की सदस्यता ग्रहण की।आज गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, सुद्धोवाला के कई छात्रनेताओं ने अलग अलग संगठन छोड़कर एनएसयूआई की सदस्यता ली। एनएसयूआई की धर्म निरपेक्ष, जाती निरपेक्ष आदि विचारधाराओं को देखते हुए और इससे प्रभावित होते हुए सभी छात्रनेताओं व छात्रों ने एनएसयूआई का दामन थामा। साथ ही अल्तमस को इकाई अध्यक्ष और तोखीर आलम व हिमांशु को इकाई उपाध्यक्ष भी बनाया गया। इस दौरान यूथ कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष विनीत प्रसाद भट्ट(बंटू)एएनएसयूआई देहरादून जिलाध्यक्ष हिमांशु रावत, डीएवी पीजी कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष नितिन नेगी, विश्वास जखमोला, मयंक रावत, अनुराग आदि कई एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

900 मीटर की दूरी एक मिनट में पूरी करने का प्रावधान त्रुटिवश हुआः बगौली

संवाददाता

देहरादून। सचिव कार्मिक शैलेश बगौली ने बताया कि कार्मिक एवं सतर्कता विभाग की अधिसूचना संख्या 329521, 11सितम्बी 2025 एवं अधिसूचना संख्या 329519, 11सितम्बर 2025 के द्वारा क्रमशः उत्तराखण्ड वदीधारी उप निरीक्षक पदों पर सीधी भती की चयन प्रक्रिया नियमावलीए 2025 एवं उत्तराखण्ड वदीधारी सिपाही पदों पर सीधी भती की चयन प्रक्रिया नियमावलीए 2025 का प्रख्यापन किया गया है। उक्त अधिसूचनाओं के परिशिष्ट ख (2) शारीरिक दक्षता परीक्षा मापदण्ड में अग्निशमन द्वितीय अधिकारी (गृह विभाग) एवं अग्निशामक (गृह विभाग) हेतु श्दौड़ एवं चाल के मानक में 900 मीटर की दूरी (65 किग्रा वजन सहित) 01 मिनट में पूरी किये जाने का प्रावधान टंकणीय त्रुटिवश हो गया है, जिसमें संशोधन किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। इस संबंध में शीघ्र ही संशोधित मानक निर्गत कर दिये जायेंगे।

उप जिलाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

चौहान ने अवगत कराया कि उनके द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लक्सर का निरीक्षण किया गया तथा स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के जायजा लिया गया इस अवसर पर भती मरीजों एवं तामीरदारों से भी बातचीत कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जानकारी ली गई, उनके द्वारा बताया गया कि चिकित्सालय में सभी स्वास्थ्य सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जा रही है जिसपर सभी ने संतोष व्यक्त किया गया।

व्यापार मंडल ने की खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश उद्योग एवं व्यापार मंडल समिति व खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के बीच हुई बैठक में त्योहारी सीजन के लिए कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

आज यहां प्रदेश उद्योग एवं व्यापार मंडल समिति (उत्तराखंड) के तत्वाधान में होलसेल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गोयल, महामंत्री विनोद गोयल, किराना मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार दीवान के नेतृत्व में एक अति आवश्यक बैठक जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी देहरादून मनीष सिंह और खाद्य सुरक्षा अधिकारी रमेश सिंह तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी मसूरी कपिल देव के साथ संपन्न हुई। जिसमें आगामी त्यौहारी सीजन को देखते हुए कुट्टू आटे के विक्रय और क्रय किए जाने से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

जिला देहरादून के सभी थोक व फुटकर विक्रेताओं द्वारा कुट्टू आटा का विक्रय केवल सील बंद और ब्रांडेड ही किया जाएगा। खुले कुट्टू आटा का विक्रय नहीं किया जाएगा। इस संबंध में उपभोक्ताओं को भी यह सलाह दी जाती है कि कुट्टू आटा सीलबंद और ब्रांडेड ही खरीद करें। कुट्टू की तासीर गर्म होने के कारण उपभोक्ताओं को यह सलाह दी जाती है कि कुट्टू से बनी हुई सभी वस्तुओं का सेवन दही इत्यादि ठंडी तासीर की वस्तुओं के साथ ही करें। किसी भी दशा में घर के अंदर पूर्व में बचे हुए कुट्टू का प्रयोग ना करें। इसके साथ ही अगर संभव हो तो साबुत कुट्टू खरीद कर घर में स्वयं ही आटा पीसकर उपयोग में लाएं। कुट्टू अथवा कुट्टू आटा उपयोग में लाते समय यह सुनिश्चित करें की किसी प्रकार की कोई फंगस अथवा कोई दुर्गंध नहीं आ रही है। ऐसा होने पर इसका इस्तेमाल कतई ना करें। प्रदेश उद्योग एवं व्यापार मंडल समिति (उत्तराखंड) द्वारा प्रदेश के सभी किराना व्यवसाईयों एवं उपभोक्ताओं से अपील की जाती है कि वह उक्त निर्णय का अपने-अपने क्षेत्र में कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित करें।जिससे किसी भी प्रकार के अनावश्यक उत्पीड़न से बचा जा सके।

बैठक में थोक किराना व्यवसायी गुरु राम राय मार्केट के अध्यक्ष विशाल गर्ग, ओम प्रकाश सुरी, राकेश आनंद, इंद्रजीत सभरवाल, अंकित गोयल, विभोर मित्तल, गौरव अरोड़ा, हैप्पी बंसल इत्यादि उपस्थित थे।

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

देहरादून। कक्षा 11वीं में पढ़ने वाली एक नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी।

जानकारी के अनुसार गौलापार निवासी 11वीं की छात्रा की मां ने बीते रोज काठगोदाम थाने में तहरीर देकर बताया गया कि अल्मोड़ा निवासी एक युवक उनकी नाबालिग बेटी को हल्द्वानी स्थित एक होटल में ले गया। जहां पर उसने जबरन दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। आरोप है कि युवक अब उसे ब्लैकमेल कर रहा है। बताया कि कुछ महीने पहले यह युवक उनकी पुत्री को मिला था जिसके बाद दोनो में जान पहचान हो गयी। बहरहाल पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

चरस सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी में नशा तस्करी करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 80 ग्राम चरस बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना कनखल पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक नशा तस्करी नशीले सामान की डिलीवरी हेतु आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 80 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम बब्लू पुत्र धर्म सिंह निवासी मिस्सरपुर थाना कनखल हरिद्वार बताया।

ट्रैफिक पुलिस द्वारा राजकीय इण्टर कॉलेज में चलाया जागरुकता अभियान

संवाददाता

टिहरी। यातायात पुकिलस द्वारा राजकीय इण्टर कॉलेज तपोवन मुनि की रेती में यातायात जागरूकता अभियान चलाकर छात्र-छात्राओं को यातायात के नियमों से अवगत कराया।

आज यहां पुलिस महानिरीक्षक निदेशक यातायात उत्तराखण्ड एंव वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढवाल के निर्देशानुसार जनपद मे वृहद स्तर पर सड़क सुरक्षा एंव यातायात नियमों का पालन करने सम्बन्धी जागरूकता अभियान चलाए जाने के क्रम में क्षेत्राधिकारी यातायातए के पर्यवेक्षण में उपनिरीक्षक यातायात अनिल सिंह द्वारा राजकीय इण्टर कॉलेज तपोवन मुनिकी रेती टिहरी गढ़वाल में जागरुकता अभियान चलाया गया।

छात्र-छात्राओं को जूनियर ट्रैफिक फोर्स के अंतर्गत यातायात नियमों का पालन कराने और ट्रैफिक व्यवस्था में सहयोग करने सम्बन्धी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

विद्यालय स्टाफ एंव छात्रों को यातायात नियमों, संकेतों के बारे में जानकारी दी गयी तथा सड़क दुर्घटनाओं से बचने हेतु उपाय, तेज रफ्तार से वाहन न चलाने, खतरनाक तरीके जिकजैक तरीके से वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने, दुपहिया वाहन में दो सवारी से अधिक न बैठाने और नशे का सेवन न करने, गुड सेमेरिटन स्कीम की जानकारी देकर, मोटर वाहन अधिनियम की धारा 199। के तहत यदि नाबालिग वाहन चलाते हुए पकड़ा जाता है तो उसके माता-पिता या संरक्षक को न्यायालय द्वारा दंडित किया जा सकता है, जिसमें 3 साल तक की सजा और 25 हजार रुपये तक का जुर्माना के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए जागरुक किया गया।

सभी छात्रों डायल 112 के संबंध में जानकारी देकर, किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में उक्त हेल्पलाइन नंबर को डायल करने की अपील भी की गई। यातायात जागरुकता अभियान मे कुल 60 छात्र छात्रो एंव 05 अध्यापकों द्वारा प्रति भाग किया गया।

आठ जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य में अभी बारिश का कहर थमने की संभावनाएं नजर नहीं आ रही है। मौसम विभाग द्वारा आज जारी किए गए मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार राज्य के आठ जिलों में भारी बारिश होने का संभावनाए जताई गई है। आज और कल राज्य में भारी बारिश की संभावना के मद्देनजर येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

मौसम विभाग का कहना है कि

❑राज्य में 17 सितंबर तक बारिश जारी रहेगी
❑अनावश्यक यात्रा से बचें, नदी-नालों से दूर रहे

आगामी 17 सितंबर तक राज्य में बारिश जारी रहेगी तथा आने वाले दो दिनों में देहरादून, उत्तरकाशी, नैनीताल, चमोली तथा पिथौरागढ़ व अल्मोड़ा में भारी बारिश होने की संभावना के मद्देनजर येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के निदेशक का कहना है कि बीते अगस्त माह में राज्य में सामान्य से अधिक बारिश हुई है तथा वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण इस माह भी अब तक सामान्य से अधिक बारिश देखी जा रही है।

आमतौर पर अगस्त माह बीतने के बाद बारिश हल्की हो जाती है लेकिन अब आधा सितंबर बीतने को है बारिश में कमी नहीं देखी जा रही है। जिसका जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है राज्य की सड़कों की मरम्मत का काम भी बारिश के कारण नहीं हो पा रहा है वहीं भूस्खलन की घटनाएं भी लगातार बढ़ती जा रही है। मौसम विभाग ने एक बार फिर लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि वह अनावश्यक यात्रा से बचे तथा नदी नालों से दूरी बनाकर रखें।

सीपी राधाकृष्णन ने ली भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले सीपी राधाकृष्णन ने आज भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राधाकृष्णन को शपथ दिलाई। इस दौरान कई नेता मौजूद रहें। वहीं, इस्तीफे के बाद पहली बार पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ भी समारोह में पहुंचे हुए थे। वहीं, राधाकृष्णन ने लाल कुर्ता पहने ईश्वर के नाम पर अंग्रेजी में शपथ ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और कैबिनेट मंत्रियों व विपक्षी नेताओं सहित कई अन्य शीर्ष राजनीतिक नेता इस समारोह में शामिल हुए। इससे पहले 9 सितंबर को, एनडीए के उम्मीदवार राधाकृष्णन भारत के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए थे। उन्होंने विपक्षी उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी के मुकाबले 452 वोट हासिल किए थे, जिन्हें 300 वोट मिले थे। तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को अचानक इस्तीफे के कारण यह चुनाव कराना पड़ा था।

बाइक चोर गिरफ्तार, दो बाइक बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाइक चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 2 बाइक भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज नौशाद पुत्र शमशाद निवासी नेनेडा अनंतपुर ने थाना गंगनहर में तहरीर देकर बताया गया कि उनकी बाइक अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गयी है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। चोरों की खोजबीन में जुटी पुलिस को देर रात सूचना मिली कि एक वाहन चोर क्षेत्र में देखा गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को लाठर देवा रोड एनएच अंडरपास के पास बाइक सवार एक संदिग्ध आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। बाइक के बारे पूछताछ मे बताया कि वह चोरी की है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चुरायी गयी एक अन्य बाइक भी बरामद की। आरोपी का नाम गोपाल पाठक पुत्र प्रेम नारायण पाठक निवासी मतलबपुर रुड़की कोतवाली गंग नहर जनपद हरिद्वार बताया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर तमंचे से फायर करने का वीडियो वायरल करने पर 3 गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। तमंचे से फायर करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तमंचा बरामद कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

आज यहां सोशल मीडिया पर वायरल अलगण्अलग वीडियो, जिनमें कुछ युवक तमंचे से फायर करते हुए तथा हाथ में तमंचा लेकर उसका प्रदर्शन करते हुए दिखाई दे रहे हैं, उक्त वीडियो का संज्ञान लेते हुए एसएसपी अजय सिंह द्वारा तत्काल वीडियो में दिखाई दे रहे युवकों के विरूद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही के निर्देश दिये गये। वायरल वीडियो की जांच में उक्त वीडियो छिद्दरवाला फ्लाई ओवर के पास का होने की जानकारी प्राप्त हुई, जिस पर रायवाला पुलिस द्वारा वीडियो में दिख रहे युवकों के सम्बन्ध में जानकारी हेतु सुरागरसीध पतारसी करते हुए स्थानिय तंत्र को सक्रिय किया गया तथा प्राप्त सूचना के आधार पर वीडियो में दिख रहे

03 युवकों दीपक पुत्र रामू निवासी छिद्दरवाला रायवाला, भूपेन्द्र उर्फ भूरे पुत्र स्व. राजू निवासी रावली, थाना मंडावली, बिजनौर हाल निवासी रामू के पकौडे वाली दुकान छिद्दरवाला तथा दीपांशु कुमार पुत्र महिपाल नि0 गन्ना सेन्टर छिद्दरवाला, थाना रायवाला को गिरफ्तार किया गया। भूपेन्द्र उर्फ भूरे तथा दीपांशु के कब्जे से पुलिस टीम को वीडियो में दिख रहे 02 अवैध देसी तमंचे बरामद हुए। पूछताछ में दीपक द्वारा बताया गया कि बरामद तमंचो को वह सहारनपुर से खरीद कर लाया गया था, जिससे छिद्दरवाला फ्लाई ओवर के नीचे उसके द्वारा फायर कर वीडियो इंस्ट्राग्राम पर अपलोड किया गया था। उनमें से 01 तमंचे को दीपक द्वारा अपने चचेरे भाई दीपांशु को दिया था तथा एक तमंचे को अपनी पकोडे की दुकान में काम करने वाले युवक भूपेन्द्र उर्फ भूरे को बेच दिया था। दीपांशु द्वारा अपने साथियों पर धौंस जमाने के लिये उक्त तमंचे को दिखाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर डाला गया था। अवैध तमंचो की बरामदगी पर उनके विरुद्ध कोतवाली रायवाला पर आर्म्स एक्ट के तहत 02 अलग-अलग मुकदमें पंजीकृत किये गये।

कच्ची शराब के कारोबार का भंडाफोड़, दो सगे भाई गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। किराये के मकान में चल रहे कच्ची शराब कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने दो सगे भाईयों को

●350 लीटर कच्ची शराब, देशी शराब के खाली पव्वे व गैस सिलेंडर बरामद

गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 350 लीटर कच्ची शराब, देशी शराब के खाली पव्वे व गैंस सिलेण्डर सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। आरोपी देशी शराब के खाली पव्वों में कच्ची शराब भरकर सप्लाई किया करते थे।

जानकारी के अनुसार थाना बहादराबाद पुलिस ने एक सूचना के बाद बीती शाम कच्ची शराब कारोबार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए वेद सिटी ग्राम अहमदपुर में स्थित एक मकान पर दबिश देकर 2 आरोपियों को दबोच लिया। जिनके पास से 350 लीटर कच्ची शराब, देशी शराब के खाकी पव्वे व कच्ची शराब बनाने में प्रयुक्त कैमिकल भी बरामद हुआ है। आरोपियों द्वारा किराए के मकान में कच्ची शराब का भंडारण किया जा रहा था जहाँ से वह कच्ची शराब को अंग्रेजी व देशी शराब के पव्वों की खाली बोतलों में भरकर सप्लाई किया करते थे।

पुलिस के अनुसार बरामद कच्ची शराब के सैंपल को परीक्षण हेतु एफएसएल भेजा जाएगा और कैमिकल के स्रोत के बारे में भी जानकारी की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियो के नाम परिक्षित शर्मा पुत्र राजपाल शर्मा निवासी ग्राम सहदेवपुर थाना पथरी जिला हरिद्वार व हिमांशु शर्मा पुत्र राजपाल शर्मा निवासी ग्राम सहदेवपुर थाना पथरी जिला हरिद्वार बताये जा रहे है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।